सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 23 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 223, पृष्ठः 8+4

जम्मू कश्मीर में 215 स्कूलों को सरकार करेगी ओवरटेक

इनसाइड नाबालिग से दरिंदगी के चारों आरोपी गिरफ्तार ... Pg 04

Pg 12

विधायक पूजा पाल ने अखिलेश यादव को लिखी चिट्ठी

मेरी हत्या के जिम्मेदार होंगे अखिलेश यादव : पूजा पाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की चायल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक पूजा पाल ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अपनी हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने पत्र में साफ कहा कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी और खुद अखिलेश यादव की होगी।

अपने पत्र में पूजा पाल ने लिखा कि उन्होंने जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया है, क्योंकि उनके पति की हत्या के दोषियों को अब सजा मिल चुकी है। उन्होंने आगे कहा-'मेरा वास्तविक मकसद पूरा हो गया है। अगर अब मेरी हत्या भी होती है तो मुझे गर्व ही होगा।'

चिट्ठी में पूजा पाल ने गंभीर आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने उन्हें बीच रास्ते अपमानित कर छोड़ दिया। उनका कहना है कि इस रवैये से पार्टी के अपराधी समर्थकों का मनोबल बढ़ गया है। उन्होंने आशंका जताई कि जिस तरह उनके पति की हत्या हुई थी, वैसा ही उनके साथ भी दोहराया जा सकता है।

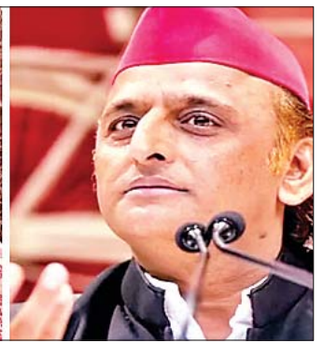

कौन हैं पूजा पाल?

पूजा पाल का विवाह 16 जनवरी 2005 को बसपा विधायक राजू पाल से हुआ था। लेकिन शादी के महज 9 दिन बाद, 25 जनवरी 2005 को, राजू पाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। राजू पाल की हत्या के बाद पूजा पाल ने अतीक अहमद और उसके गुर्गों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद वह 'अतीक गैंग से मुकाबला करने वाली नेता' के रूप में पहचानी जाने लगीं। उन्होंने उपचुनाव भी लड़ा लेकिन हार गईं। बाद में 2007 और 2012 में वह बसपा से प्रयागराज (पश्चिम) सीट से विधायक चुनी गईं। हालांकि 2017 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2022 में उन्होंने समाजवादी पार्टी के टिकट पर चायल सीट से जीत हासिल की और विधानसभा पहुंचीं।

एलन मस्क ने कहा था स्नैक

सर्जियो गोर को ट्रंप ने बनाया भारत में अमेरिका का राजदूत?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (22 अगस्त,2025) को ऐलान किया कि ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में जन्मे और वर्तमान में व्हाइट हाउस के प्रमुख अधिकारी सर्जियो गोर को भारत का नया राजदूत नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर गोर की तारीफ करते हुए लिखा- 'दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए मेरे पास ऐसा व्यक्ति होना जरूरी है, जिस पर मैं पूरी तरह भरोसा कर सकूं। सर्जियो मेरे कई वर्षों के करीबी मित्र रहे हैं और वे एक शानदार राजदूत साबित होंगे।' सर्जियो गोर की उम्र 39 साल है. वह भारत में नियुक्त होने वाले सबसे युवा अमेरिकी राजदूत होंगे।

बेरहमी पार्किंग में कार खड़ी करने को लेकर रॉड, डंडों और ईंट से मारकर हत्या कर दी गई

वाराणसी के टॉप स्कूल टीचर प्रवीण झा को पूर्व कुलपति के बेटे ने पीटकर मार डाला

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

वाराणसी। वाराणसी में एक ही दिन में दो हत्याओं से हड़कंप मच गया है। गुरुवार सुबह सारनाथ इलाके में कॉलोनाइजर महेंद्र गौतम की गोली मारकर हत्या की गुत्थी अभी पुलिस सुलझा ही नहीं सकी थी कि रात होते-होते एक और वारदात घट गई। शहर के भेलूपुर क्षेत्र के कबीर नगर इलाके में मातृ छाया अपार्टमेंट में एक प्राइवेट स्कूल के टीचर प्रवीण झा की पार्किंग में कार खड़ी करने को लेकर रॉड, डंडों और ईंट से मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि मुख्य आरोपी और उसके 2 साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

» हत्या के मुख्य आरोपी और 2 साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

» डॉक्टर प्रवीण झा वाराणसी के ही सनबीम स्कूल के टीचर थे

शिक्षक प्रवीण झा (फाइल फोटो)।

मुख्य आरोपी और कथित हत्यारा आदर्श सिंह, कानपुर स्थित चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉक्टर दुनिया राम सिंह का बेटा बताया जा रहा है। कुलपति पर धांधली और वित्तीय अनियमितता का आरोप भी लग चुका है। मृतक डॉक्टर प्रवीण झा वाराणसी के ही सनबीम स्कूल के टीचर थे।

वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के कबीर नगर इलाके में स्थित मातृ छाया अपार्टमेंट में रहने वाले 48 साल के शिक्षक डॉक्टर प्रवीण झा बीती रात कार पार्किंग कर रहे थे। तभी बगल के ही अपार्टमेंट में रहने वाला आदर्श आ पहुंचा और कार पार्किंग को लेकर दोनों में विवाद होने लगा। इस बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आदर्श ने अपने 2 साथियों को भी वहां बुला लिया और तीनों ने मिलकर शिक्षक प्रवीण को रॉड, डंडों और ईंट से इतनी बुरी तरह मारा की वे खून से लथपथ हो गए। चीख पुकार सुनकर शिक्षक प्रवीण के परिवार और आस पड़ोस के लोग पहुंचे तो हमलावर भाग चुके थे।

वहीं, इस मामले में डीसीपी क्राइम सरवण टी. ने बताया कि पार्किंग में कार खड़ी करने के विवाद को लेकर मारपीट और हत्या हुई है। परिवार की तहरीर पर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बहन की फोटो वायरल करने पर किशोर की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

» पनकी से कार से अपहरण कर शिवली में गला दबाकर दी गई मौत

» 160 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने किया राजफाश

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी में रहने वाले 15 वर्षीय कुलदीप की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। किशोर पर आरोप था कि उसने एक युवती की अश्लील फोटो वायरल कर दी थी, जिसके बाद युवती के भाई ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

मूलरूप से सजेती के गुरैयनपुरवा निवासी हरिशचंद्र निषाद रतनपुर (पनकी) में परिवार संग रहते हैं। उनका छोटा बेटा कुलदीप आठवीं का छात्र था और पढ़ाई के साथ कैंब्रिज चौराहे पर बतासे का ठेला भी लगाता था।

12 अगस्त की रात कुलदीप घर नहीं लौटा, जिसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। 14 अगस्त को शिवली (कानपुर देहात) की झाड़ियों में उसका शव मिला।

पनकी थाना प्रभारी मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि जांच में सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक स्विफ्ट कार से अपहरण की पुष्टि हुई।

कार का नंबर ट्रेस कर पुलिस रतनपुर अमन एनक्लेव पहुंची और वहां से टूर एंड ट्रैवल संचालक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने चौंकाने वाला खुलासा किया।उसने बताया कि उसकी बहन कुलदीप के ठेले पर बतासे खाने जाती थी और इसी बीच दोनों में नजदीकी बढ़ गई। कुलदीप ने उसकी बहन की अश्लील फोटो खींच ली और शादी का दबाव बनाने लगा। मना करने पर उसने फोटो दोस्तों को भेज दी। बहन ने यह बात भाई को बताई तो उसने गुस्से में फर्रुखाबाद निवासी कौशल और नवीन (दोनों नोएडा में काम करते थे) के साथ मिलकर हत्या की साजिश रच डाली।तीनों ने कार से कुलदीप का अपहरण किया और शिवली ले जाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके दोनों साथियों को गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया।

बिधनू में बुखार का कहर 90 ग्रामीण बीमार

» रुस्तमपुर के बाद पंचापुरवा और ढड़िया में फैली बीमारी

» गंदगी से बढ़ा संक्रमण, स्वास्थ्य विभाग की टीम जुटी उपचार में

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। बिधनू क्षेत्र में तेज बुखार का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा। ग्राम पंचायत भैरमपुर के मजरे रुस्तमपुर में बीमारी से लोग उबर भी नहीं पाए थे कि अब पास के पंचापुरवा और ढड़िया गांव इसकी चपेट में आ गए हैं। करीब 650 की आबादी वाले इन दोनों गांवों में अब तक 90 से अधिक लोग बुखार से पीड़ित हो चुके हैं। कई मरीजों की जांच में टाइफाइड की पुष्टि हुई है।ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में कई महीनों से सफाई कर्मी नहीं आए, जिसके कारण नालियां बजबजा रही हैं और चारों ओर गंदगी फैली हुई है। बीमारियों से घबराकर कुछ ग्रामीणों ने निजी लैब में जांच कराई तो रिपोर्ट टाइफाइड पाई गई। गुरुवार को तबीयत बिगड़ने पर कई मरीज बिधनू सीएचसी पहुंचे।शुक्रवार सुबह सीएचसी प्रभारी डॉ. गौरव त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम दोनों गांवों में पहुंची। मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण शुरू किया गया।

पंचापुरवा में आयुष, वर्षा, अंकुश, स्नेहा, छाया, नगीना, रवीना समेत 50 लोग बुखार की चपेट में हैं। वहीं ढड़िया में रानी देवी, सावित्री, गीता, राहुल, नितेश, गंगाराम, कौशल सहित 40 लोग बीमार हैं।सीएचसी चिकित्साधीक्षक डॉ. नीरज सचान ने बताया कि अधिकांश मरीज लंबे समय से बुखार से पीड़ित हैं, जिससे टाइफाइड की आशंका पाई गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांवों में लगातार डटी हुई है और मरीजों का इलाज जारी है।

वर्षा मंगल उत्सव 2025: गंगा बचाओ, पेड़ लगाओ संदेश के साथ जैपुरिया स्कूल में समारोह मनाया

» सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, कानपुर में शनिवार को वर्षा मंगल उत्सव 2025 बड़े हर्षोल्लास से हुआ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, कानपुर में शनिवार को वर्षा मंगल उत्सव 2025 बड़े हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस वर्ष उत्सव का विषय नमामि गंगफ रखा गया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने गंगा बचाओ, पेड़ लगाओफ का संदेश देकर पर्यावरण संरक्षण और नदी स्वच्छता का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरज मित्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कानपुर नगर तथा विशिष्ट अतिथि अर्चना खेतान, सदस्य- विद्यालय प्रबंध समिति ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश तिवारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। आयोजन सेठ आनंदराम जैपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष तुषिर पुरिया के आशीर्वाद से संपन्न हुआ।उत्सव की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गंगा की महिमा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।` वातावरण को भक्तिमय और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया।मुख्य अतिथि सूरज मित्रा ने अपने संबोधन में विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी दोनों का विकास करते हैं। उन्होंने पर्यावरण और नदी संरक्षण के महत्व पर बल दिया तथा सभी से हरित भविष्य के लिए योगदान देने का आह्वान किया। इसी क्रम में छात्र परिषद के सदस्यों और नेतृत्व दल द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य एम. के. मिश्रा, उपप्रधानाचार्या मधुश्री भौमिक, जी.एम. शैलेंद्र अग्निहोत्री, प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया।राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुए इस उत्सव ने न केवल भक्ति और संस्कृति का संगम कराया बल्कि पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश भी दिया।

महापौर प्रमिला पांडेय ने किया जोन 6 का औचक निरीक्षण

» अनुपस्थित लापरवाह कर्मचारियों पर गिरी गाज

» निरीक्षण के दौरान राजस्व कार्यालय के तीन कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडेय ने नगर निगम के जोन-6 कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान राजस्व कार्यालय के तीन कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर महापौर ने सख्ती दिखाते हुए उनके एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया।महापौर ने इसके बाद अभियंत्रण खंड और जन्म-मृत्यु कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रमाणपत्र बनवाने आए नागरिकों से बातचीत कर यह जानने की कोशिश की कि जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में उन्हें किसी तरह की दिक्कत तो नहीं हो रही है।

महापौर ने जनता से कहा कि अगर किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे सीधे उन्हें इसकी जानकारी दें। महापौर के इस औचक निरीक्षण से कर्मचारियों में हड़कंप मचा रहा, वहीं नागरिकों ने उनके इस कदम की सराहना की।

नाबालिग से दरिंदगी के चारों आरोपी गिरफ्तार

ककवन गैंगरेप : पुलिस ने 36 घंटे मे चारों को किया गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ककवन, बिल्हौर(कानपुर)। कानपुर कमिश्नरेट के ककवन थाना क्षेत्र के ग्राम हीरा निवादा में धार्मिक आयोजन के दौरान 13 वर्षीय दलित किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म की वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया है। घटना बुधवार रात की है, जब किशोरी शौच के लिए खेत गई थी। उसी समय गांव के ही चार युवकों ने उसे दबोच लिया और दो ने दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर पीड़िता को वहीं छोड़ दिया। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए सख्त धाराएं लगाईं और महज 36 घंटे के भीतर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उन्हें अदालत में पेश कर जिला कारागार कानपुर देहात भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक पीड़िता अपने परिवार के साथ गांव में 20 अगस्त को श्रीकृष्ण की छठी कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। कार्यक्रम से लौटते समय वह शौच के लिए खेत की ओर गई। तभी गांव के दीपू, रविन्द्र, अरुण उर्फ भोला और इक्कू यादव ने उसे घेर लिया। आरोप है कि इक्कू और भोला ने किशोरी का मुंह दबाकर रोके रखा, जबकि दीपू और रविन्द्र ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। घटना के बाद सहमी किशोरी घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। पीड़िता के पिता केश कुमार की शिकायत पर थाना ककवन में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफबीएनएस की धारा 70(2)/351(3), पाक्सो एक्ट की धारा 5जी/6 और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)वी के तहत मामला दर्ज किया था।

पुलिस की सक्रियता से 36 घंटे में हुई गिरफ्तारी : मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी के निर्देश पर एसीपी बिल्हौर अमर नाथ और थानाध्यक्ष ककवन जीतेन्द्र राजपूत ने संयुक्त रूप से चार टीमें गठित कीं। लगातार दबिशों के बाद शुक्रवार देर रात सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए। शनिवार को पुलिस ने आरोपियों को माती न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

पुलिस की गिरफ्त में चारों आरोपी

चिकित्सा विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

■

नाबालिग को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पतालों की चौखटें छाननी पड़ीं

जज के सामने रोई पीड़िता

पुलिस की कड़ी सुरक्षा में शुक्रवार को पीड़िता को बयान दर्ज कराने मजिस्ट्रेट के सामने ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक जैसे ही मासूम ने अपनी दर्दभरी आपबीती सुनानी शुरू की, वह सिसकियों के बीच फूट-फूट कर रो पड़ी। मजिस्ट्रेट ने संवेदनशीलता के साथ पूरा बयान दर्ज किया।

अनाड़ी डॉक्टरों ने बढ़ाई पीड़िता की पीड़ा

गैंगरेप की शिकार नाबालिग को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पतालों की चौखटें छाननी पड़ीं। ककवन सीएचसी पर महिला डॉक्टर न मिलने से पुलिस उसे शिवराजपुर ले गई। सूत्रों के मुताबिक यहां मौजूद ड्यूटी डॉक्टर ने खुद को अनुभवहीन बताकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। नतीजा यह हुआ कि पुलिस को घंटों भटकने के बाद पीड़िता को कल्याणपुर ले जाना पड़ा, जहां देर रात उसका मेडिकल हो सका। चिकित्सा महकमे की इस लापरवाही ने न सिर्फ पीड़िता की पीड़ा बढ़ाई बल्कि विभाग की संवेदनहीन कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बैठक का संचालन करते तहसील मंत्री, साथ में जिलाध्यक्ष व तहसील अध्यक्ष।

नई कार्यकारिणी की अगुवाई में हुई लेखपालों की बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। तहसील सभागार में शुक्रवार को लेखपाल संघ की नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष मोहित सचान व तहसील अध्यक्ष जीतेन्द्र ने की और संचालन तहसील मंत्री सुनील चौधरी ने किया। बैठक में लेखपालों के हितों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। तहसील मंत्री सुनील चौधरी ने कहा कि लेखपालों की कई महत्वपूर्ण समस्याएं अब तक अनसुलझी हैं।

संगठन इन मुद्दों को लेकर लगातार आवाज़ उठाता रहेगा। उन्होंने बताया कि बैठक में वेतन विसंगतियों, कार्यभार के दबाव और विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर आ रही कठिनाइयों पर गंभीर विमर्श किया गया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि संघ एकजुट होकर हर स्तर पर लेखपालों की आवाज प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। इस मौके पर नई कार्यकारिणी के सभी सदस्य लेखपाल मौजूद रहे और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

चौखंडी गांव में चोर के डर से रातभर जाग रहे लोग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। पिछले दो सप्ताह से बिल्हौर क्षेत्र में चोरियों की अफवाहों ने लोगों की नींद हराम कर दी है। कस्बे में अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर पुलिस ने स्थिति संभालने की कोशिश की थी, लेकिन अब यही शोर थाना क्षेत्र के चौखंडी गांव तक पहुंच गया है।गांव के लोग रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीण गांव की गलियों और मुख्य रास्तों पर चौकसी करते नज़र आते हैं। लोगों का कहना है कि डर के कारण कोई भी परिवार रात को चैन की नींद नहीं सो पा रहा।

आवाहन प्रांतीय अध्यक्ष हरिश्चन्द्र दीक्षित ने शिक्षकों की समस्याओं का ज्ञापन सौंपा

शिक्षक समस्याओं को लेकर डीआईओएस कार्यालय पर दिया धरना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आवाहन पर शिक्षक समस्याओं को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में शुक्रवार को संघ ने धरना देकर प्रांतीय समस्याएं एवं जनपद के शिक्षकों की समस्याओ का ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से प्रेषित किया। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र दीक्षित ने कहा कि वर्तमान सरकार में सबसे अधिक शिक्षक समुदाय का उत्पीड़न हो रहा है। छोटी छोटी समस्याओं का हल निकलने में कई दिन लग जाते हैं। पहले तो कर्मचारी शिक्षकों की समस्याएं अधिकारियों तक पहुंचने ही नहीं देते और यदि पहुंच गई तो वह कई दिनों तक मेज की धूल खाती रहती है। कर्मचारी हथेली गरम किए बिना कोई काम नहीं करते।

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपते संगठन के पदाधिकारी।

बैठक में हिस्सा लेते शिक्षकगण।

सम्पादकीय

सख्त नियमन व भारी कर भी विकल्प

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है।

वहीं तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवत- छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं। निस्संदेह, यह मामला सभी हितधारकों के लिये एक चेतावनी है, लेकिन इस बाबत कोई भी जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय, ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता था। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत थी। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाया जा सकता था।

मानसून के लिए नई रणनीति बनाने की जरूरत

प्रदीप शर्मा

जलवायु परिवर्तन ने मानसून के पैटर्न में बदलाव किया है और भारी बारिश की घटनाओं को बढ़ाया है, भारत की नीतियों, योजनाओं और डेटा प्रणालियों को इसके साथ तालमेल बनाना चाहिए। लचीलापन विकसित करने का अर्थ है कि आसमान अभी हमें जो बता रहा है, उसके अनुरूप खुद को ढालना है, न कि पहले से क्या करते आ रहे थे, उसे दोहराना।दक्षिण-पश्चिम मानसून को भारत की जल और खाद्य तंत्र की रीढ़ कहा जाता है, जो जून से सितंबर के बीच देश में लगभग तीन-चौथाई वार्षिक वर्षा लाता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान लगाया है। लेकिन इसमें सिर्फ यही मायने नहीं रखता है कि कुल कितनी बारिश हुई, बल्कि यह भी अहम है कि कब, कहां और कैसी बारिश हुई है। जलवायु परिवर्तन ने बारिश के पैटर्न को अनियमित बनाया है।

वर्ष 2025 में अब तक का मानसून पूरे देश में भारी और कम वर्षा की विरोधी घटनाओं से भरा हुआ है। जुलाई में अच्छी बारिश ने खरीफ की बुवाई को तेज कर दिया, माह के अंत तक 70.8 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बुवाई हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 4.1 प्रतिशत अधिक रही। दूसरी तरफ केरल, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों को अत्यधिक बारिश से जूझना पड़ा है, जिससे अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।

सीईईडब्ल्यू के एक अध्ययन में पाया गया कि 55 प्रतिशत तहसीलों में जून से सितंबर के बीच कुल बारिश बढ़ी है। खास बात यह कि यह बढ़ोतरी भारी बारिश वाले दिनों की संख्या बढ़ने से हुई है।

नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार पिछले चार दशकों में प्रति घंटे बारिश के पैटर्न की पड़ताल में सामने आया है कि मध्य भारत में कम समय में भारी बारिश और उत्तर-पश्चिमी तट पर लंबे समय तक भारी बारिश की घटनाएं अधिक संख्या में हो रही हैं।

पिछले दो दशकों में भारत सरकार और राज्य सरकारों ने मौसम पूर्वानुमान प्रणालियों में उल्लेखनीय रूप से निवेश किया है और देश व राज्यों के स्तर पर जलवायु कार्य योजनाएं शुरू की हैं। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन बढ़ रहा है, और बारिश में तेजी से अनियमितता आ रही है, इसका सामना करने की क्षमता विकसित करने में ये तीन कदम सहायक हो सकते हैं।

पहला, शहरों को बीते कल के औसत के लिए नहीं, बल्कि आज के तूफानों के लिए योजना बनानी चाहिए। शहरी स्थानीय निकायों को बाढ़ का सामना करने के लिए बनाई जाने वाली योजना का दोबारा मूल्यांकन करना चाहिए। पारंपरिक बाढ़ प्रबंधन इस ऐतिहासिक डेटा पर निर्भर करता है कि कितनी बार और कितनी भारी बारिश हुई है, जिसे तूफानी घटनाओं की तीव्रता-अवधि-आवृत्ति कहा जाता है। लेकिन अब यह विश्वसनीय नहीं रह गया है, क्योंकि तापमान बढ़ने के साथ हवा में नमी की मात्रा बढ़ जाती है, जिसका मतलब लंबे समय तक सूखा पड़ना और फिर बहुत तेज बारिश होना है। महाराष्ट्र के ठाणे में पुराने जल-निकासी तंत्र (ड्रेनेज सिस्टम) को एक घंटे की अधिकतम बारिश को संभालने के लिए नहीं बनाया गया था, जबकि बीते एक दशक में औसतन बारिश 64 मिमी प्रति घंटा रही है। (संदर्भ के लिए, 100 मिमी प्रति घंटा बारिश को बादल फटना माना जाता है।) इसे समझते हुए, ठाणे नगर निगम ने अपने बाढ़ के खतरे के अनुमानों में बदलाव किया है और अब अपने तूफानी जल-निकासी वाले नालों (स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स) को फिर से बना रहा है। भारत के अन्य शहरों को भी ऐसा करना चाहिए।

दूसरा, किसानों को अपने फसल कैलेंडर को अपडेट करने की जरूरत है। बारिश के बदलते पैटर्न के साथ, राज्यों और केंद्रीय कृषि विभागों और मौसम विज्ञान एजेंसियों को मिलकर फसल कैलेंडर को अपडेट करना चाहिए, खास तौर पर जिन क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती होती है।

अध्ययन से पता चलता है कि अनिश्चित मानसूनी बारिश विशेष रूप से धान, मक्का और दालों जैसी प्रमुख फसलों के बुवाई और कटाई के मौसम को बदल रही है। वहीं, भारत की आधी से अधिक तहसीलों में अक्तूबर महीने में बारिश में वृद्धि देखी गई, जिससे फसलों की कटाई प्रभावित होती है।

पहाड़ों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो विकास

हिमालयी श्रृंखला में आपदा

आनन्द शर्मा

पर्वतीय इलाकों में मैदानी इलाकों की तरह काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ध्यान रखना होगा कि यदि हम प्रकृति की राह में बाधा डालेंगे, तो उसका खमियाजा हमें ही भुगतना होगा।पिछले कुछ वर्षों से हिमालयी क्षेत्र लगातार आपदाओं का सामना कर रहा है-चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो, 2021 की ऋषिगंगा आपदा, 2023 में ल्होनक झील फटना, जोशीमठ का भूधंसाव हो या हालिया बादल फटना और भूस्खलन की घटनाएं। इन आपदाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, अरब सागर की गर्म हवाएं और दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का उत्तर की ओर झुकाव जैसे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, सबसे बड़ा कारण प्रकृति में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप है, जिसकी भारी कीमत हमें हर साल भीषण तबाही के रूप में चुकानी पड़ रही है।

वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और शोध लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पहाड़ों पर अवैज्ञानिक और अनियोजित निर्माण, विस्फोटों से जलविद्युत परियोजनाएं, रेलमार्ग, बेतरतीब खुदाई और नदी-नालों के प्राकृतिक मार्गों में हस्तक्षेप से हम आपदाओं को न्योता दे रहे हैं। दुर्भाग्य से विकास के नाम पर सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों में भी बहुमंजिला इमारतों, होटलों और सड़कों का निर्माण अनियंत्रित रूप से जारी है, जो भविष्य के लिए गंभीर खतरा है।गौरतलब है कि जब धरती की सतह और पहाड़ों को बार-बार खोदा और काटा जाता है, तो बारिश की बूंदें तेजी से बहकर मिट्टी को ढीला कर देती हैं। इससे भूमि की पकड़ कमजोर पड़ती है और आपदाएं, विशेष रूप से भूस्खलन, कई गुना बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि जलवायु में आ रहे बदलाव और पहाड़ों पर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण विनाश का कारण बन रहा है।आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ऊंचे इलाकों में एक डिग्री तापमान बढ़ने पर वर्षा की तीव्रता 15 फीसदी बढ़ जाती है। जब गर्म समुद्री हवा भारी नमी लेकर हिमालय से टकराती है तब पहाड़ उसे रोकते हैं। इससे क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनते हैं जो 50,000 फीट ऊंचाई तक जा सकते हैं और जब ये फटते हैं तो भीषण तबाही लाते हैं।पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डीआरडीओ के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर हर वर्ष औसतन 15 मीटर तक पीछे हट रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में यह दर 20 मीटर से अधिक है। गंगा बेसिन में ग्लेशियर 15.5 मीटर, इंडस बेसिन में 12.7 मीटर और ब्रह्मपुत्र बेसिन में 20.2 मीटर प्रति वर्ष की गति से पीछे खिसक रहे हैं।

दरअसल, जब ग्लेशियर पिघलते हैं, उसके नीचे की जमीन अस्थिर होती जाती है। पिघलती बर्फ, दरकती चट्टानें और अचानक बनने वाली झीलें सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 तक कराकोरम और हिन्दूकुश जैसे इलाकों में 127 बड़े ग्लेशियर संबंधित भूस्खलन रिकॉर्ड हुए हैं।

हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम सहित कुल 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है। मानसून के दौरान यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहता है। इसकी जटिल भौगोलिक बनावट, नाजुक पारिस्थितिकी और बदलती जलवायु स्थितियां इसे और अधिक जोखिमग्रस्त बनाती हैं।यह आपदाएं आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश नदियां संकरी घाटियों से होकर बहती हैं, इसलिए बादल फटने या ग्लेशियर झील के फटने के कारण तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में बोल्डर सहित मलबा भी बह जाता है। परिणामस्वरूप नदियों के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय इलाकों में जारी विकास परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में पानी के तेज बहाव के कारण धौलीगंगा नदी में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों पर चट्टानें और मलबा आ गिरा, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

छात्रा पर किया कुत्तों ने हमला
गाल फाड़ा, चेहरे पर आए 17 टांके

» मधुवन पार्क में कुत्तों का आतंक, 21 साल की छात्रा लहूलुहान

» गाल दो हिस्सों में बंटा, नाक पर भी जख्म कुत्तों के हमले से सहमी छात्रा

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। बुधवार शाम को एक 21 वर्षीय छात्रा पर कुत्तों के झुंड ने ऐसा हमला किया कि उसका चेहरा लहूलुहान हो गया। गाल का मांस फटकर दो हिस्सों में बंट गया और चेहरे पर 17 टांके लगाने पड़े। नाक पर भी गंभीर चोट आई है। घटना से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

श्यामनगर निवासी आशुतोष साहू की भतीजी वैष्णवी साहू, जो रूमा स्थित एलन हाउस कॉलेज में बीबीए अंतिम वर्ष की छात्रा है, बुधवार शाम कॉलेज से घर लौट रही थी। मधुवन पार्क के पास बंदरों और कुत्तों का झुंड आपस में लड़ रहा था। इसी दौरान जैसे ही वैष्णवी वहां से गुजरी, कुत्तों का झुंड अचानक उस पर टूट पड़ा।कुत्तों ने छात्रा को सड़क पर गिराकर गाल और नाक को बुरी तरह नोच डाला। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़े और लाठी-डंडों से कुत्तों को खदेड़कर उसे बचाया। राहगीरों की मदद से छात्रा को खून से लथपथ हालत में अस्पताल पहुंचाया गया।पहले उसे कांशीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजा गया, जहाँ डॉक्टरों ने गाल और नाक पर कुल 17 टांके लगाए।घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मधुवन पार्क और आस-पास के इलाकों में लंबे समय से आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक है। पहले भी कई लोगों पर कुत्ते हमला कर चुके हैं लेकिन नगर निगम ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।लोगों ने नगर निगम से आवारा कुत्तों की पकड़ने की मुहिम चलाने और पार्कों-गलियों में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर प्रशासन और निगम इस मामले को गंभीरता से नहीं लेता तो बच्चों और महिलाओं के लिए घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा।

कानपुर में बढ़ रहा कुत्तों का आतंक

» वैष्णवी पर हमले ने जगाई दहशत, गली गली में खड़े हैं काटने के लिए आवारा कुत्ते

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बीबीए की छात्रा वैष्णवी साहू पर कुत्तों के हमले ने पूरे शहर को दहला दिया। चेहरा सिलाई और टांकों से भरा हुआ-जिसे देखकर इलाके के लोग कांप उठे। गली-मोहल्लों में यह चर्चा है कि हर गली में 20-25 कुत्ते घूमते हैं। अब इंसान ही नहीं, बच्चों तक का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर शहर में करीब लाख से डेढ़ लाख आवारा कुत्ते हैं। इनमें कौन शांत है, कौन खूंखार-यह कोई नहीं जानता। यही अनिश्चितता लोगों के लिए खौफ का कारण बन गई है। बुजुर्ग हों, महिलाएं हों या छोटे बच्चे-कुत्तों के झुंड सड़कों और कॉलोनियों में डर का माहौल बना रहे हैं।

वैष्णवी तो किसी तरह बच गईं, लेकिन सोचने वाली बात है—अगर उसकी जगह कोई 4-5 साल का बच्चा होता, तो क्या उसकी जान बच पाती? यह सवाल हर माता-पिता के दिल में चुभ रहा है।

कानपुर ही नहीं, हर शहर की समस्या

यह सिर्फ कानपुर या दिल्ली-एनसीआर की समस्या नहीं है। देश के लगभग हर बड़े शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती तादाद लोगों के लिए खतरा बन चुकी है।नगर निगम की नसबंदी और टीकाकरण योजनाएं कागजों में ज्यादा और जमीनी हकीकत में कम नजर आती हैं।डॉग लवर्स का कहना है कि कुत्तों पर जुल्म नहीं होना चाहिए, लेकिन पीड़ित परिवार पूछते हैं—कौन तय करेगा कि कौन-सा कुत्ता खतरनाक है और कौन-सा नहीं? अब यह सिर्फ छोटी समस्या नहीं रही। सांसद, विधायक, मेयर, प्रशासन और पुलिस—सभी को मिलकर ठोस नीति बनानी होगी।

नसबंदी अभियान तेज होना चाहिए

कुत्तों के लिए शेल्टर काटने के मामलों में तत्काल इलाज और वैक्सीन की व्यवस्था हो। वैष्णवी का मामला दरअसल एक चेतावनी है। लोग कह रहे हैं कि अब प्रशासन को इंतजार नहीं करना चाहिए, क्योंकि अगला शिकार कौन होगा-यह कोई नहीं जानता।

(कानपुर शहर में किशनपुर और फूल बाग में दो डॉग शेल्टर संचालित किया जा रहे हैं यहां पर रोजाना करीब 60 कुत्तों को पड़कर नसबंदी की जाती है

इसके बाद जी पॉइंट से उनको पकड़ा जाता है उनको वहीं फिर से छोड़ दिया जाता है क्योंकि पूर्व से बने नियम कायदों के तहत कुत्तों को पकड़ कर रखा नहीं जा सकता है। सिर्फ उनकी नसबंदी की जा सकती है। इसके अलावा कानपुर शहर में और डॉग सेंटर बनाने के प्रयास तेज किया जा रहे हैं।)

डॉ आरके निरंजन, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी
नगर निगम कानपुर

बेटी की मौत पर फूट-फूट कर रोया पिता

» बोला- जानवरों की तरह बेटी को पीटता था, सड़क पर शव रखकर हंगामा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर में एक विवाहिता का शव फंदे पर लटकता मिला, जिसके बाद परिजनों ने पति की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि दहेज के लिए महिला की हत्या की गई है।

कानपुर में कल्याणपुर के बारासिरोही में शुक्रवार को महिला पूजा तिवारी का संदिग्ध हालात में शव लटकता हुआ मिला। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था।

पति की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों ने शनिवार को अशोक वाटिका चौराहा केशवपुरम में बॉडी रखकर हंगामा शुरू कर दिया। केशवपुरम में मृतका का मायका है। मौके पर रावतपुर, कल्याणपुर, अरमापुर थाने की पुलिस पहुंची। एसीपी कल्याणपुर ने परिजनों को समझने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने बगैर गिरफ्तारी के बॉडी उठाने से इनकार कर दिया।

इस दौरान परिजनों की पुलिस से झड़प भी हुई है। मृतका के चाचा राहुल ने मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने की धमकी दी। आक्रोशित भीड़ में आवास विकास मुख्य मार्ग को बाधित कर दिया। पिता रामप्रसाद तिवारी स्वरूप नगर थाने में होमगार्ड हैं। पिता फूट-फूट कर रोया, बोला जानवरों की तरह बेटी को पीटता था। बोले कि बेटी का पति हिमांशु उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। उसे मार कर टांग दिया गया।सास, ससुर व देवर को गिरफ्तार किया

जिस दिन यह घटना हुई सुबह बेटी ने वीडियो कॉल कर अपनी आप बीती बताई थी। हिमांशु ने सुबह उसे बुरी तरह पीटा था। इसके बाद दोपहर में शव लटकता हुआ मिला।

उनका आरोप है बेटी को मारपीट करने के बाद उसे टांग दिया गया। आरोप है कि थाने में तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मृतका के सास ससुर व देवर को गिरफ्तार कर लिया गया है पति की भी तलाश की जा रही है। जल्द उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

शिक्षक की पिटाई से छात्रा बेहोश

» साथी छात्राओं पर भी बरसी लाठियां, आरोपी निलंबित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बीकापुर के भारती इंटर कॉलेज में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब संविदा शिक्षक इंद्रसेन यादव की पिटाई से कक्षा 9 की छात्रा बेहोश हो गई। साथी छात्राओं ने रोकने की कोशिश की तो उन्हें भी पीट दिया गया।घटना के बाद छात्रा को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, कॉलेज में कई शिक्षक ट्यूशन पढ़ाते हैं और जो छात्र-छात्राएं ट्यूशन नहीं लेते, उन्हें प्रताड़ित किया जाता है।

विद्यालय प्रशासन ने आरोपी शिक्षक को हटाया है और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। फिलहाल छात्रा खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बीजेपी सांसद के भाई पर जमीन कब्जे का आरोप, डीएम से न्याय की गुहार

» पीड़ित अर्दली रामचंद्र तिवारी बोले दबाव बढ़ा तो परिवार संग करूंगा आत्मदाह

» विधायक महेश त्रिवेदी भी पहुंचे साथ, डीएम ने कहा जांच कराई जा रही है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर तहसील के कंचौसी कस्बे में ज़मीन विवाद ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। यहां न्यायिक एसडीएम औरैया में तैनात अर्दली रामचंद्र तिवारी ने बीजेपी सांसद देवेंद्र सिंह भोले के भाई व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राजू सिंह उनकी पैतृक जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं और लगातार दबाव बना रहे हैं।

पीड़ित रामचंद्र तिवारी ने शुक्रवार को किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी के साथ कानपुर देहात जिलाधिकारी कपिल सिंह से मुलाकात कर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी।

तिवारी का कहना है कि पिछले कई महीनों से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। आरोप है कि राजू सिंह और उनके समर्थक बार-बार दबाव डाल रहे हैं कि जमीन छोड़ दो, वरना गंभीर अंजाम भुगतना पड़ेगा।उन्होंने बताया कि राजनीतिक दबदबे के कारण स्थानीय प्रशासन कार्रवाई से बच रहा है। राजू सिंह का परिवार क्षेत्र में प्रभावशाली है उनकी पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष और बेटा ब्लॉक प्रमुख हैं। ऐसे में पीड़ित को न्याय मिलना मुश्किल लग रहा है। हताश होकर उन्होंने जिलाधिकारी से गुहार लगाई और चेतावनी दी कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह परिवार समेत डीएम कार्यालय पर आत्मदाह कर लेंगे।

इस दौरान विधायक महेश त्रिवेदी भी पीड़ित के साथ मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है और पीड़ित कर्मचारी को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने डीएम से तत्काल जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

डीएम कपिल सिंह ने मामले पर कहा शिकायत प्राप्त हुई है। इसकी जांच कराई जा रही है। सत्यता सामने आने के बाद ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित कर्मचारी के इस कदम ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस तरह के मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई न हुई तो साधारण व्यक्ति का सिस्टम पर से भरोसा उठ जाएगा।

खेल-खेल में बच्चों को सिखाई जा रही गणित

» एफएलएन प्रशिक्षण में शिक्षकों को दी गई नई तकनीक की जानकारी

» ईएलपीएस पद्धति से बच्चे पाएंगे संख्यात्मक दक्षता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बच्चों को गणित जैसे कठिन समझे जाने वाले विषय को सरल और रोचक बनाने के लिए अब शिक्षकों को खेल-खेल में पढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। विकास खंड मलासा के ब्लॉक संसाधन केंद्र में चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के चौथे दिन शिक्षकों को ईएलपीएस (अनुभव, भाषा, चित्र और प्रतीक) पद्धति से पढ़ाने की बारीकियां समझाई गईं।

प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों और शिक्षामित्रों से कहा गया कि वे सीखी गई गतिविधियों को अपने-अपने विद्यालयों में बच्चों के बीच लागू करें।

इससे बच्चे बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान में दक्षता प्राप्त करेंगे।एआरपी वीरेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि

गणित को रोचक बनाने के लिए प्रत्येक दिन अलग-अलग गतिविधियां तय की गई हैं। खेल-खेल में पढ़ाई से बच्चों की विषय में रुचि बढ़ेगी

और वे गणित से दूरी नहीं बनाएंगे।इस मौके पर एआरपी कुलदीप सिंह सैनी, आलोक श्रीवास्तव, अश्वनी कटियार समेत अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रनियां: नाबालिक दुष्कर्म कांड का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

» रनियां पुलिस ने अपहरण और पॉक्सो केस में की बड़ी कार्रवाई

» 3 जुलाई को दो किशोरियों को बहला-फुसलाकर ले गया था आरोपी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला अपराधों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत रनियां थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने के आरोपी विकास (19) पुत्र सार्जन को गिरफ्तार कर लिया।

घटना 3 जुलाई 2025 की है। आरोपी विकास पर आरोप है कि वह दो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। पीड़िता के पिता दिनेश कुमार की तहरीर पर 19 जुलाई को रनियां थाने में विकास व उसके साथियों छोटे और कमलेश के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था।जांच के दौरान पुलिस ने दोनों लड़कियों को बरामद कर

बयान दर्ज किए। बयानों में यह साफ हुआ कि आरोपी विकास ने एक नाबालिग लड़की से बार-बार दुष्कर्म किया। इस आधार पर पुलिस ने केस में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाईं।

पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 22 अगस्त को रनियां-मैथा रोड स्थित नारीखेत नहर पुलिया के पास से आरोपी विकास को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार विकास किशरवल गांव, थाना रनियां का निवासी है।पुलिस टीम में उप-निरीक्षक सुरेंद्र सिंह, सिपाही यदुवीर सिंह और सिपाही नरेंद्र राणा शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आरोपी का कोई पुराना आपराधिक इतिहास नहीं है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

खबर से सुधरी समस्तपुर न्योराज गौशाला

» स्वराज इंडिया की पड़ताल पर हरकत में आए अधिकारी, बीडीओ ने दिए सख्त निर्देश

» ग्राम पंचायत ने की सफाई और चारा उपलब्ध, गोवंश को मिली राहत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकार जहां आवारा गोवंश को गौशालाओं में सुरक्षित रखकर पर्याप्त आहार और देखभाल की बात करती है, वहीं हकीकत कुछ और ही बयां करती है। हाल ही में स्वराज इंडिया अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित रिपोर्ट में समस्तपुर न्योराज गौशाला की बदहाल तस्वीर सामने आई थी।

यहां 96 से अधिक गोवंश गंदगी, कीचड़ और भूखमरी के बीच जीने को मजबूर थे। नांदे खाली थीं, देखभाल नाममात्र की और चारा

समय पर उपलब्ध नहीं था।गोवंश की दुर्दशा की खबर छपते ही प्रशासन हरकत में आ गया। रसूलाबाद के बीडीओ विपुल विक्रम चौहान ने मामले का संज्ञान लेते हुए ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी सतेन्द्र शर्मा को तत्काल सफाई कराने और हरा चारा उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए।खबर का असर इतना तेज़ रहा कि अगले ही दिन पंचायत टीम ने गौशाला की सफाई कराई और चारे की व्यवस्था सुनिश्चित की। स्वराज इंडिया टीम ने मौके पर जाकर हालात का जायजा लिया तो पाया कि व्यवस्था पहले से काफी बेहतर हो चुकी है। गंदगी हटी और गोवंश को चारा मिलना शुरू हो गया है।

समयबद्ध विवेचनाओं का निस्तारण करें अपराधियों को जेल भेजें: एडीजी आलोक सिंह

राहुल अग्निहोत्री, स्वराज इंडिया

एडीजी ने यह भी कहा कि पुलिस कर्मियों को आधुनिक अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार प्रशिक्षित किया जाना चाहिए

झांसी। कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह ने शुक्रवार को झांसी भ्रमण के दौरान रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश दिए।

एडीजी ने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई और लंबित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय सीमा के भीतर किया जाए। अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा न जाए और सक्रिय अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए।

एडीजी के कुछ खास निर्देश

- थाना स्तर पर चिन्हित टॉप-10 सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई
- साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम
- पुलिस कर्मियों को साइट्रेन पोर्टल के माध्यम से बेसिक रिस्पांडर व इन्वेस्टिगेशन का प्रशिक्षण
- लंबित एनबीडब्ल्यू तामीला, हत्या, लूट, चोरी के मामलों का शीघ्र निस्तारण
- पुराने मामलों का त्वरित अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी

एडीजी आलोक सिंह ने यह भी कहा कि पुलिस कर्मियों को आधुनिक अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने विवेचनाओं की गुणवत्ता सुधारने और हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करने पर जोर दिया।इस मौके पर झांसी रेंज के डीआईजी केशव कुमार चौधरी, एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति सहित जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी मौजूद रहे। एडीजी के निर्देशों से यह स्पष्ट है कि अपराध और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए अब पुलिस सख्त तेवर में है।

मनरेगा के 20 सालः गांवों की जिंदगी बदलने वाली ऐतिहासिक योजना

मनरेगा ने मजदूरों को न केवल काम दिया बल्कि आर्थिक सुरक्षा की गारंटी भी दी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। वक्त बदलता है, सरकारें बदलती हैं, लेकिन कुछ नीतियां ऐसी होती हैं जो लंबे समय तक समाज को दिशा देती हैं। ऐसी ही ऐतिहासिक योजना है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), जिसने आज अपनी 20 वर्षों की सफल यात्रा पूरी कर ली है।

23 अगस्त 2005 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा लागू की गई यह योजना ग्रामीण भारत के लिए नई उम्मीद बनकर आई थी। उस दौर में जहां शहरों में तकनीक धीरे-धीरे पैर पसार रही थी, वहीं गांवों में किसान और भूमिहीन मजदूर आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। ऐसे में मनरेगा ने उन्हें न केवल काम दिया बल्कि आर्थिक सुरक्षा की गारंटी भी दी।

क्या है मनरेगा योजना ?

हर ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य को 100 दिन का गारंटीकृत रोजगार

बेरोज़गारी भत्ता और परिवहन भत्ता (नियमानुसार)

कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में प्राथमिकता

2010 में इस योजना का नाम बदलकर मनरेगा किया गया और इसे दुनिया का सबसे बड़ा कल्याणकारी कार्यक्रम माना गया।

योजना की वर्तमान स्थिति

वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में केंद्र सरकार ने मनरेगा के लिए 86,000 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा बजट आवंटन किया है।

पिछले वर्षों में यह आवंटन लगातार बढ़ा है—2020-21 में 61,500 करोड़, 2022-23 में 73,000 करोड़।

कांग्रेस की मानी जाती है बड़ी उपलब्धि

कांग्रेस पार्टी इस योजना को अपनी बड़ी उपलब्धि मानती है।

पार्टी का कहना है कि यह केवल एक रोजगार योजना नहीं बल्कि ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है।

कांग्रेस का यह भी मानना है कि मनरेगा ने न केवल किसानों और मजदूरों को राहत दी बल्कि सरकार की दूसरी पारी बनाने में भी अहम भूमिका निभाई।

मनरेगा को वैश्विक स्तर पर भी सराहा गया है। इसकी सफलता ने भारत को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक मॉडल देश के रूप में स्थापित किया है।

20 वर्षों की यात्रा का संदेश

बीस वर्षों में यह योजना साबित कर चुकी है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनहित की सोच साथ हो तो नीतियां लाखों-करोड़ों लोगों की जिंदगी बदल सकती हैं। आज भी मनरेगा गांव-गांव में आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान की कहानी लिख रही है।

डिप्रेशन से जूझ रहे छात्र ने मेडिकल कॉलेज में लगाई फांसी

» एमबीबीएस छात्र की फांसी से हिला अयोध्या मेडिकल कॉलेज

» जौनपुर जिले का रहने वाला था सागर पटेल

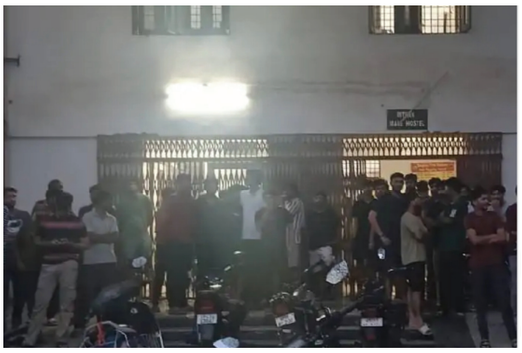

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के गंजा हॉस्टल में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब 22 वर्षीय एमबीबीएस छात्र सागर पटेल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शुरुआती जांच में खुलासा हुआ कि सागर इंटरनल एग्जाम में फेल हो गया था और डिप्रेशन से जूझ रहा था।

बता दे कि शाम करीब चार बजे हॉस्टल के साथियों ने देखा कि सागर अपने कमरे में फंदे से झूल रहा है। तत्काल कॉलेज प्रशासन को सूचना दी गई।

प्राचार्य सत्यजीत वर्मा के अनुसार उसे तुरंत दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां

डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि की।

सागर जौनपुर का निवासी था और फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था।

प्राचार्य ने बताया कि छात्र के रूममेट्स घटना के समय बाहर गए हुए थे। लौटकर उन्होंने सागर को फांसी पर लटका पाया।

सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया शुरुआती छानबीन में पता चला है कि छात्र इंटरनल एग्जाम में फेल हुआ था और उसका इलाज चल रहा था।

डिप्रेशन ही आत्महत्या की वजह हो सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सही कारण स्पष्ट होगा।

मेडिकल छात्रों में बढ़ता अवसाद - क्यों?

विशेषज्ञों के अनुसार, मेडिकल स्टूडेंट्स पर पढ़ाई का दबाव इतना अधिक है कि कई बार वे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। काउंसलिंग, नियमित मानसिक स्वास्थ्य जांच और तनाव प्रबंधन कार्यक्रम संस्थानों में अनिवार्य किए जाने की जरूरत है।

धांधागर्दी

अयोध्या में भू-माफियाओं का कारनामा

मंदिर की भूमि पर अवैध प्लाटिंग का आरोप

» गौ सेवा समिति ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, कार्रवाई की उठाई मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में राममंदिर निर्माण के बाद आस-पास की भूमि की कीमतों में हुई बेतहाशा वृद्धि के बीच भू-माफियाओं की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है। श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि कुछ दबंग भू-माफिया संगठित तरीके से सरकारी, तालाब और मंदिर की देवोत्तर भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर कॉलोनी विकसित कर रहे हैं।समिति के संरक्षक राजेश सिंह 'मानव' ने सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्राम माँझा बरेहटा, तहसील सदर, जनपद अयोध्या में सहबाग यादव, विकास श्रीवास्तव, मनीष यादव सहित कई लोगों द्वारा जमीनों पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। यह भूमि अभी बंदोबस्त प्रक्रिया के अन्तर्गत है, और यहां किसी भी प्रकार की कॉलोनी विकसित करना पूरी तरह से अवैधानिक है।राजेश सिंह ने बताया कि उक्त भू-माफिया बिना किसी वैधानिक स्वीकृति के न केवल जमीन की प्लाटिंग कर रहे हैं, बल्कि संबंधित विभाग से ले-आउट तक पास नहीं कराया गया है। आरोप है कि ये लोग राजस्व अधिकारियों को भी अपने प्रभाव में लेकर गैरकानूनी कार्यों को अंजाम दे रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि गाटा संख्या 134, जो कि बड़ी छावनी मंदिर की देवोत्तर सम्पत्ति है, वहां भी कब्जे की कोशिश की जा रही है। इस भूमि में गोचर भूमि भी शामिल है, जिसे भी नहीं बख्शा जा रहा।राजेश सिंह के अनुसार, आरोपितों ने अवैध

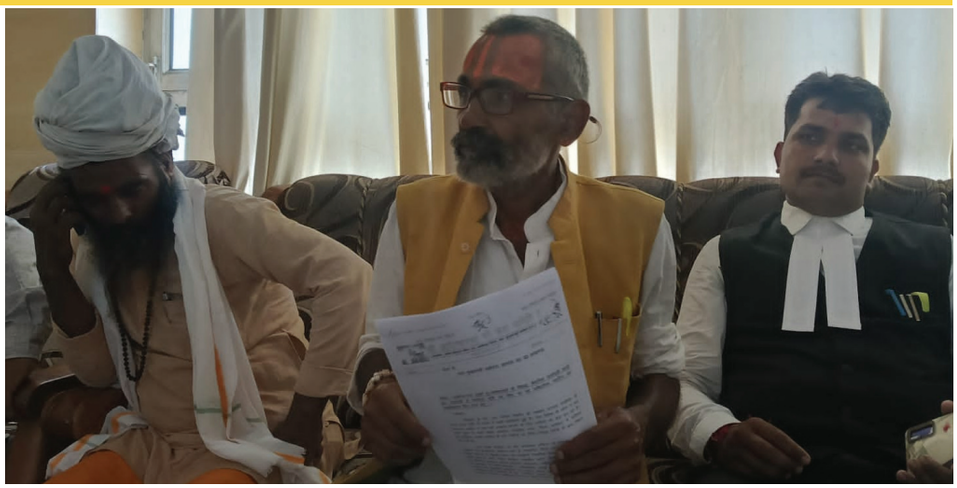

तरीकों से अर्जित संपत्ति से शहर में होटल आदि खड़े कर लिए हैं, जहां कई प्रकार के गैरकानूनी कार्य भी संचालित हो रहे हैं। इनके खिलाफ स्थानीय थानों में कई अपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं।

श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इन भू-माफियाओं को चिन्हित कर भूमाफिया की सूची में शामिल किया जाए, और माँझा बरेहटा क्षेत्र में किए जा रहे अवैध कब्जे तथा प्लाटिंग को तत्काल ध्वस्त कराया जाए। साथ ही मंदिर व सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। इस दौरान बड़ी छावनी मंदिर के छोटेलाल महाराज भी मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर में चल रहे जमात-ए-इस्लामी के 215 स्कूलों को

सरकार करेगी ओवरटेक

छात्रों की भलाई के लिए एक्शन मोड में अब्दुल्ला सरकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

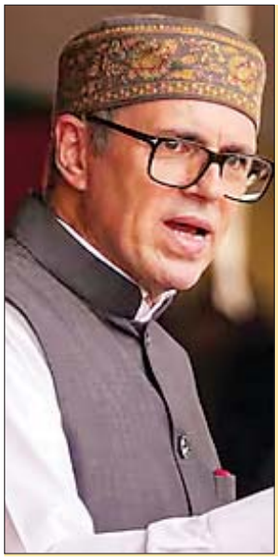

कश्मीर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथ में लिया। यह कदम छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और आतंकी नेटवर्क पर रोक लगाने के लिए उठाया गया। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए जमात-ए-इस्लामी और इसके सहयोगी फलाह-ए-आम ट्रस्ट से जुड़े 215 स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने का फैसला किया है। राज्य की शिक्षा विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा ये आदेश जारी किया है। यह फैसला छात्रों के शैक्षणिक भविष्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया गया है. इन स्कूलों का प्रबंधन अब जिला मजिस्ट्रेटों के अधीन होगा, जो नई प्रबंधन समितियां गठित करेंगे।

सरकार ने क्यों दिया ये आदेश? : स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करते हुए बताया कि गृह मंत्रालय ने फरवरी 2019 और फरवरी 2024 में जमात-ए-इस्लामी को गैरकानूनी संगठन घोषित किया था। खुफिया एजेंसियों ने रिपोर्ट दी कि कई स्कूल सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से इस संगठन से जुड़े हैं। पीटीआई के रिपोर्ट्स के अनुसार, इन स्कूलों की मौजूदा मैनेजिंग कमेटियों की वैधता समाप्त हो चुकी है और इनके खिलाफ नकारात्मक रिपोर्ट मिली है। इसलिए सरकार ने सभी 215 स्कूलों की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को सौंपी है।

छात्रों की पढ़ाई पर असर नहीं होगा : नए आदेश के अनुसार, जिला मजिस्ट्रेट और डिप्टी कमिश्नर इन स्कूलों का प्रबंधन संभालेंगे और नई कमेटियां गठित करेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के साथ समन्वय कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि छात्रों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए और शिक्षा की गुणवत्ता नई शिक्षा नीति (National Education Policy) के अनुरूप रहे। सचिव राम निवास शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह कदम केवल छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और बेहतरी के लिए है।

सज्जाद लोन ने ट्वीट किया, 'जम्मू-कश्मीर सरकार ने 215 स्कूलों को जबरन अपने नियंत्रण में ले लिया है और अंदाजा लगाने के लिए कोई इनाम नहीं है। चुनी हुई सरकार ने आदेश पारित किया है। इस सरकार में शर्म और बेशर्मी ने नए मायने धारण कर लिए हैं। वे चापलूसी के नए मानक स्थापित कर रहे हैं। और बस उन उपदेशों और आदेशों को याद करें जो इस पार्टी ने अपने विरोधियों के खिलाफ पारित किए थे। किसी भ्रम में न रहें, यह चुनी हुई सरकार किए गए सभी कार्यों में एक पक्ष है। चाहे वह डाक हो या कर्मचारियों की बर्खास्तगी, वे समान भागीदार हैं। वे अतीत में समान भागीदार रहे हैं और वे भविष्य में भी समान भागीदार रहेंगे। यह ए टीम है, यह हमेशा ए टीम थी।'

घाटी के किन जिलों में कितने स्कूल?

कश्मीर घाटी के सभी 10 जिलों में यह कार्रवाई हुई है। बारामुला (Baramulla) में सबसे अधिक 53 स्कूल, अनंतनाग में 37, कुपवाड़ा में 36, पुलवामा में 22, बडगाम में 20, कुलगाम में 16, शोपियां में 15, गांदरबल और बांदीपोरा में 6-6 तथा श्रीनगर में 4 स्कूलों का प्रबंधन सरकार ने अपने हाथों में लिया है। हालांकि, इस फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इस फैसले को कठोर करार दिया है और उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर बिना किसी पार्टी का नाम लिए इस फैसले में 'साझेदार' और भाजपा की एक टीम होने का आरोप लगाया है।

छापा पड़ा तो इंजीनियर ने जला डाले 20 लाख

घर से 40 लाख कैश और महंगी घड़ियां बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। पटना से आर्थिक अपराध इकाई की टीम (EOU) ने रेड के बाद आय से अधिक संपत्ति मामले में एक इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार इंजीनियर के घर से 40 लाख रुपये नकद और बड़ी संख्या में अधजले नोट बरामद हुए हैं।

बिहार पुलिस ने शुक्रवार को ग्रामीण निर्माण विभाग के एक अधीक्षण अभियंता को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया और आवास से 40 लाख रुपये नकद, जिसमें बड़ी संख्या में जले हुए नोट भी शामिल हैं, बरामद किए। दरअसल, पटना के अगमकुआं थाना इलाके में आर्थिक अपराध इकाई की टीम (EO) ने आय से अधिक संपत्ति मामले में मधुबनी में ग्रामीण कार्य विभाग में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के पद पर पदस्थापित विनोद कुमार राय के आवास पर रेड किया। इस दौरान 40 लाख कैश, बीस लाख के करीब अधजले 500 के लाखों नोट बरामद बरामद हुए।

इसके अलावा टीम ने करोड़ों की जमीन के दस्तावेज, लाखों के सोने-चांदी के जेवरात जब्त किया। साथ ही दर्जनों ऐसी घड़ी को भी बरामद किया गया है, जिनकी कीमत साढ़े डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार टीम जब रेड करने गई थी, तब इंजीनियर की पत्नी ने टीम को रेड करने से घंटों रोक रखा था। डेढ़ बजे रात से सुबह 5 बजे तक घर के बाहर टीम गेट खुलने का इंतजार करती रही। इस दौरान इंजीनियर की पत्नी 500 रुपये की लाखों नोट को बाथरूम में जलाती रही। साथ ही राख को शौचालय में फ्लश करती रही। बचे 40 लाख रुपये के नोट को पॉलिथीन में डालकर छत पर जाकर पानी टंकी में डाल दिया। सुबह होने पर ईओयू की टीम घर में प्रवेश करते ही अवाक रह गई। वहीं, सुबह नगर निगम की टीम को बुला शौचालय से जले नोट निकलए गए। जले हुए नोट की जांच करने के लिए ईओयू की टीम ने एफएसएल की टीम को बुलाया। फिर छत पर उन्हें पानी टंकी में 40 लाख रुपया पॉलिथीन में बंधा मिला। जब सघन जांच किया गया तो कई जमीन के और बैंक डिपॉजिट के कागजात मिले।

शुभारंभ

इंडिया पोस्ट ने शुरू की 5800 करोड़ की नई एडवांस्ड पोस्टल तकनीक

अब गांव के डाकघर भी हो जाएंगे स्मार्ट!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय डाक ने घोषणा की कि उसने आईटी 2.0 उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के साथ डिजिटल परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल को डिजिटल इंडिया की दिशा में भारतीय डाक की यात्रा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। यह उन्नत डाक प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म देश के 1.65 लाख डाकघरों

में से प्रत्येक में तेज, अधिक विश्वसनीय और नागरिक-अनुकूल डाक और वित्तीय सेवाएं लाने के लिए डिजाइन किया गया है। डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रणाली सरकार के मेघराज 2.0 क्लाउड पर चलती है और बीएसएनएल की राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी द्वारा समर्थित है। सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना भारतीय डाक को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक रसद संगठन में बदल देगी। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण बताया-जो अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों के निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। यह नई प्रणाली कई अगली पीढ़ी की सुविधाएं प्रदान करती है, जिनमें एकीकृत इंटरफेस, क्यूआर-कोड-आधारित भुगतान, ओटीपी-आधारित डिलीवरी और सटीकता में सुधार के लिए 10-अंकीय अल्फान्यूमेरिक DIGIPIN शामिल हैं।

आपको बता दें कि एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी को आईटी 2.0 प्रोग्राम के तहत 5800 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया गया है। इसके बाद आपके गांव का डाकघर अमेजन से भी ज्यादा स्मार्ट हो जाएगा। यह बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक, सभी के लिए संपूर्ण डिजिटल समाधान भी प्रस्तुत करता है, जिससे एक खुले नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से बेहतर दक्षता और मजबूत ग्रामीण कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है। इसकी शुरुआत चरणबद्ध तरीके से की गई, जिसकी शुरुआत मई-जून 2025 में कर्नाटक डाक सर्कल में एक पायलट प्रोजेक्ट के साथ हुई। प्रारंभिक अनुभवों के साथ प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाने के बाद, इस परियोजना का देशव्यापी विस्तार हुआ और 4 अगस्त तक यह सभी 23 डाक सर्कलों में फैल गई।